सीएसआईआर-सीरी, जयपुर केंद्र में

"साइंस मीडिया रिसर्च : साइंस क्रिएटिव्ज़ एंड मीडिया स्कूल फॉर साइंटिस्ट्स एंड मीडिया"

कार्यशाला का आयोजन

सीएसआईआर-सीरी के जयपुर(राजस्थान) स्थित इन्क्युबेशन-सह-इनोवेशन हब में 6-8 मार्च, 2019 तक वैज्ञानिक दृष्टिकोण सोसाइटी द्वारा एनसीएसटीसी, डीएसटी, भारत सरकार के 'संयुक्त तत्वावधान में साइंस मीडिया रिसर्च - साइंस क्रिएटिव्ज़ एंड मीडिया स्कूल फॉर साइंटिस्ट्स एंड मीडिया' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का संचालन केंद्र के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ राम प्रकाश ने किया। आयोजन के संयोजक विज्ञान दृष्टिकोण सोसाइटी के श्री तरुण कुमार जैन थे। कार्यशाला में विभिन्न शिक्षण संस्थाओं व मीडिया समूह सहित वैज्ञानिक संस्थानों के कुल 25 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। कार्यशाला आयोजन का उद्देश्य विज्ञान संचार के महत्व एवं उपयोगिता को बताते हुए इस महत्वपूर्ण कार्य में मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डालना और वैज्ञानिकों और विज्ञान संचारकों को देश की वैज्ञानिक गतिविधियों को मीडिया के माध्य म से प्रसारित करना था।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री अशोक मलिक, अध्यक्ष, राष्ट्रीय पत्रकार संघ(भारत)

सभाकक्ष में उपस्थित प्रतिभागी

उद्घाटन सत्र

दिनांक 6 मार्च, 2019 को आयोजित उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि श्री अशोक मलिक, अध्यक्ष, राष्ट्रीय पत्रकार संघ(भारत) तथा विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर पी घोष, कार्यपालक निदेशक, बीआईएसआर, जयपुर एवं श्री हरीश पाराशर, वरिष्ठ पत्रकार, राजस्थान पत्रिका थे।

कार्यशाला के दौरान आयोजित सत्रों में विभिन्न विषयों पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों सहित आमंत्रित वक्ताओं द्वारा व्याख्यान दिए गए।

कार्यशाला के दौरान दिए गए आमंत्रित व्याख्यानों/प्रस्तुतीकरणों का विवरण निम्नवत है –

दिनांक : 06.03.2019

तकनीकी सत्र ।

आधार व्याख्यान (की-नोट लेक्चर)

व्याख्यान/प्रस्तुतीकरण : शोध कार्यों के प्रचार-प्रसार में मीडिया का महत्व

आमंत्रित वक्ता : श्री अशोक मलिक, अध्यक्ष, राष्ट्रीय पत्रकार संघ (भारत)

विज्ञान पत्रकारअशोक मलिक ने शोध के उत्थान में मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डाला उन्होंने मीडिया को परिभाषित करते हुए कहा कि समाज से समाज का संवाद ही मीडिया है। उन्होंने सांईस रिपोर्टिंग के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाते हुए कहा कि शोध पत्र पत्रिकाओं को पुस्तकालयों एवं विश्वविद्यालयों तक ही सीमित न रखकर इन्हें जनमानस तक पहुंचाना होगा।

तकनीकी सत्र - II

व्याख्यान/प्रस्तुतीकरण : वैज्ञानिक शोध एवं नवाचार के प्रभावी संचार में मीडिया का उपयोग

आमंत्रित वक्ता : प्रोफेसर पी घोष, कार्यपालक निदेशक, बिरला वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान(बीआईएसआर), जयपुर

प्रो. पी. घोष ने वैज्ञानिक शोध एवं नवाचार में प्रभावी संचार व मीडिया की भूमिका पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में होने वाली उपलब्धियों का लाभ

जब तक आम लोगों को उनकी भाषा में नहीं बताया जाएगा तब तक इन उपलब्धियों का लाभ उन्हें नहीं मिल पाएगा। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हमें ऐसे विज्ञान संचारकों की आवश्यकता है जो विज्ञान लेखन एवं संचार के माध्यम से विज्ञान के उद्देश्य 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' को चरितार्थ कर सके।

तकनीकी सत्र III

व्याख्यान/प्रस्तुतीकरण : विज्ञान समाचार तथा फीचर लेखन

आमंत्रित वक्ता : डॉ श्याम नारायण मिश्र, पूर्व वरिष्ठ हिंदी अधिकारी, सीएसआईआर-सीरी

डॉ. श्याम नारायण मिश्र ने विज्ञान लेखन के विभिन्न पहलुओं की चर्चा करते हुए फ्यूचर लेखन, समाचार लेखन, शोध पत्र और आर्टिकल लेखन के बारे में जानकारी दी। अपने व्याख्यान में उन्होंने कहा कि शोध कार्यों के लिए सरकार द्वारा दी जाने वाली धनराशि आम जनता की गाढ़ी कमाई से आती है, इसलिए शोध कार्यों की जानकारी और उनके लाभ आमजन तक उन्हीं की भाषा में पहुंचाना विज्ञान संचारकों और वैज्ञानिकों का नैतिक दायित्व है।

दिनांक : 07.03.2019

तकनीकी सत्र IV

व्याख्यान/प्रस्तुतीकरण : मीडिया में प्रकाशित शोध लेखों की वैधता

आमंत्रित वक्ता : डॉ एस एल कोठारी, समकुलपति, एमिटी विश्वविद्यालय जयपुर

डॉ. एस एल कोठारी ने अपने व्याख्यान में कहा कि विज्ञान के दूसरे क्षेत्रों के बारे में वैज्ञानिकों को अधिकांश जानकारी मीडिया के माध्यम से मिलती है। वैज्ञानिकों के दायित्वों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को केवल अपनी शोध रुचियों से सम्बन्धित क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि अन्य क्षेत्रों की जानकारी भी लेनी चाहिए। विज्ञान पत्रिकारिता पर प्रकाश डालते हुए उन्हों ने कहा कि यह सत्य पर आधारित होना चाहिए क्योंकि इसमें अतिशयोक्ति की संभावना न के बराबर होती है। इसलिए विज्ञान संचारकों एवं विज्ञान पत्रकारों को केवल तथ्यों पर ही केंद्रित रहना चाहिए।

तकनीकी सत्र V

व्याख्यान/प्रस्तुतीकरण : **आइज़ दैट स्पाइ द स्काई**

आमंत्रित वक्ता : श्री संदीप भट्टाचार्य, सहायक निदेशक, तारामंडल, जयपुर

अपने व्याख्यान में श्री संदीप भट्टाचार्य ने प्रतिभागियों को खगोल विज्ञान के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने विषय की रोचकता बताते हुए कहा कि खगोल विज्ञान का गहराई से अध्ययन अत्यंत रोचक है। जैसे जैसे हम इसकी तह में जाते हैं वैसे-वैसे रोचकता बढ़ती जाती है। उन्होंने कहा कि खगोल विज्ञान में भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि भूतकाल में हुई घटनाओं का कोई आधार नहीं है बल्कि वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर केवल अनुमान ही लगाए जा सकते हैं।

तकनीकी सत्र VI

व्याख्यान/प्रस्तुतीकरण : प्लाज़्मा - 21वीं सदी की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

आमंत्रित वक्ता : डॉ राम प्रकाश, प्रभारी वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीरी जयपुर केंद्र

अपने व्याख्यान में डॉ. रामप्रकाश ने प्लाज्मा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए कहा कि विश्व के अनेक बड़े वैज्ञानिक एवं इंजीनियर एक साथ मिलकर फ्रांस में 'इटर' नाम की विशिष्ट मशीन का निर्माण कर रहे हैं और हमारा देश भी दिसम्बर, 2005 से इस अभियान में शामिल है। अपने व्याख्यान में उन्होंने नियंत्रित थर्मोन्यूक्लियर फ्यूजन रिएक्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे विश्व की ऊर्जा संबंधी समस्याओं के समाधान में मदद मिलेगी। अपने व्याख्यान में उन्होंने चिकित्सा, वेस्ट मैनेजमेंट, वायु एवं जल शुद्धीकरण आदि अनेक क्षेत्रों में इसके उपयोगों और लाभों की चर्चा की।

दिनांक 08.03.2019

तकनीकी सत्र VII

व्याख्यान/प्रस्तुतीकरण : सामुदायिक मीडिया तथा विज्ञान संचार

आमंत्रित वक्ता : श्री गुलाब बत्रा, वरिष्ठ पत्रकार

अपने व्याख्यान में श्री गुलाब बत्रा ने उपस्थित प्रतिभागियों एवं अतिथियों के साथ अपने पत्रकारिता संबंधी अनुभवों को साझा करते हुए विज्ञान पत्रकारिता और समाज पर उसके प्रभावों की जानकारी दी।

तकनीकी सत्र VIII (प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुतीकरण)

सत्र संचालन – डॉ सुबोध अग्निहोत्री, वर्धमान महावीर मुक्त विश्वविद्यालय, कोटा

तकनीकी सत्र IX (प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुतीकरण)

सत्र संचालन – डॉ एस के शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, भौतिकी विभाग, एमएनआईटी, जयपुर

अंतिम दो सत्रों में प्रतिभागियों ने विज्ञान विषयों पर अपने पत्र प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल ने इन पत्रों की सराहना की। इस सत्र में डॉ. सुबोध अग्निहोत्री एवं डॉ. एस.के. शर्मा ने विज्ञान के अलग-अलग विषयों पर प्रतिभागियों द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट पर उनसे विस्तार से चर्चा की।

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए अतिथि

समापन सत्र

समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर वाई के विजय, कुलपति, विवेकानंद ग्लोबल युनिवर्सिटी, जयपुर तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. एस. के. शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, भौतिक विभाग, एमएनआईटी, जयपुर थे। अपने संबोधन में डॉ शर्मा ने विज्ञान संचार में मीडिया के महत्व व उसके दायित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस अवसर पर स्वयं को आमंत्रित करने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण सोसाइटी के श्री तरुण जैन व डॉ राम प्रकाश, प्रभारी वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीरी जयपुर केंद्र के प्रति आभार व्यक्त किया।

समापन सत्र में संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर वाई के विजय ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए वीडीएस तथा सीरी जयपुर केंद्र की सराहना की तथा वैज्ञानिक समुदाय, मीडिया एवं विज्ञान संचारकों सहित जनसामान्य में विज्ञान के प्रसार की आवश्यकता के प्रसार के लिए इस प्रकार के निरंतर आयोजन पर बल दिया।

समापन सत्र के दौरान कार्यशाला के प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। अतिथियों ने प्रतिभागियों को अपनी ओर से शुभकामना दी।

धन्यवाद ज्ञापन

अंत में कार्यक्रम के संयोजक श्री तरुण कुमार जैन ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इस कार्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान देने के लिए सभी वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों व उनके कार्यालयों/संस्थानों को भी धन्यवाद दिया। आयोजन के लिए स्थान व अन्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निदेशक, सीएसआईआर-सीरी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने व जयपुर केंद्र प्रभारी डॉ राम प्रकाश व उनकी टीम को इस आयोजन में अन्य सभी प्रकार का सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया। अंत में उन्होंने इस आयोजन की मीडिया कवरेज के लिए मीडिया कर्मियों को भी धन्यवाद दिया।